

# अमूल्य दौलत



## अदिति/Introduction

हम में से अधिकतर लोग बिना मेहनत किए ही अमीर हो जाना चाहते हैं और ऐसा करने के उपाय तलाशते हैं। विक्रम भी ऐसा ही युवक है, पर आखिरकार उसे समझ आता है कि ईश्वर द्वारा दिया गया हमारा यह स्वस्थ शरीर ही हमारी सबसे बड़ी दौलत है। विक्रम नामक एक युवक बिना मेहनत किए खूब सारा धन कमा लेना चाहता है, पर एक बुद्धिमान आदमी उसे यह अहसास दिलाता है कि उसके शरीर का हर अंग कितना मूल्यवान है और उसी शरीर की मदद से मेहनत करके वह अमीर हो सकता है।

एक गाँव में विक्रम नाम का एक आलसी युवक रहता था। एक दिन बैठे-बैठे वह सोचने लगा कि कोई ऐसा उपाय मिल जाए जिससे आराम से बिना मेहनत किए ही धन कमाया जा सके।

उसने अपने कई मित्रों से जल्दी धन कमाने का उपाय पूछा पर कोई भी उसे कुछ नहीं बता पाया।

ऐसे ही एक दिन सुबह के समय विक्रम कहीं जा रहा था कि उसे खेतों में काम करता एक किसान मिला। उसने उस किसान से भी जल्दी धन कमाने का उपाय पूछा। किसान ने उसे बताया कि गाँव के दूसरी ओर विश्वनाथ नाम के एक **बुद्धिमान सज्जन** रहते हैं। शायद वे उसे कोई आसान तरीका बता पाएँ।



## बोध/Conceptual Understanding

- विक्रम कैसा युवक है ?
- बुद्धिमान सज्जन का क्या नाम था ?
- उनका पता किसने विक्रम को दिया ?



## शब्दार्थ

**बुद्धिमान** – समझदार, अक्लमंद  
**सज्जन** – भला आदमी



## शिक्षण संकेत

छात्रों को मेहनत करने के लिए प्रेरित करें।

## अधिगम उद्देश्य/प्रतिफल

- कहानी के माध्यम से आलस्य से दूर रहने की शिक्षा मिलेगी।
- सभी परिस्थितियों में उत्साहित रहकर कार्य करते हैं।
- अपने बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने में सक्षम होंगे।
- परिश्रम के महत्त्व को समझते हैं।



उपाय मिलने की आशा में विक्रम जल्दी से विश्वनाथ के घर की ओर चल पड़ा। वहाँ पहुँचकर उसने देखा कि उनके घर का द्वार खुला हुआ था और विश्वनाथ ध्यान में बैठे थे। विक्रम उन्हें प्रणाम करके वहीं बैठ गया। थोड़ी देर बाद ध्यान से बाहर आकर विश्वनाथ ने अपनी आँखें खोली और विक्रम से उसके आने का कारण पूछा।



#### बोध/Conceptual Understanding

- विश्वनाथ ने आँखों की कीमत क्या लगाई ?
- विक्रम अपने पैर क्यों नहीं बेचना चाहता था ?
- कितनी कीमत में भी विक्रम कभी अपना शरीर नहीं बेचेगा ?

“मैं बहुत गरीब हूँ। आप कृपा करके मुझे जल्दी धन कमाने का कोई उपाय बता दीजिए।” विक्रम ने हाथ जोड़कर उनसे कहा।

विश्वनाथ मुस्कुराए, “तुम पास के

नगर में चले जाओ। वहाँ एक **सौदागर** बीस हजार में तुम्हारी आँखें खरीद लेगा। तुम बिना कुछ किए बस अपनी आँखें बेच कर धन कमा लोगे।”

विक्रम बोला, “अपनी आँखें बेच दूँगा तो फिर देखूँगा कैसे ?”

विश्वनाथ बोले, “ठीक है, तो फिर पंद्रह हजार में अपने दोनों पैर बेच दो।”

विक्रम ने कहा, “पैर बेच दूँगा तो चलूँगा कैसे ?”

विश्वनाथ ने फिर सुझाव दिया, “तो पच्चीस हजार में अपने दोनों हाथ बेच दो।”

ऐसी बात सुनकर विक्रम परेशान हो गया, “अपने हाथों के बिना मैं कोई काम कैसे करूँगा ?”

विश्वनाथ अब भी वैसे ही बोले, “तो एक काम करो। तुम अपना पूरा शरीर ही बेच दो। इसके लिए तुम्हें एक लाख रुपया मिलेगा।”



#### शब्दार्थ

**सौदागर** – चीजें खरीदने/बेचने वाला व्यक्ति



विक्रम **व्याकुल** होकर बोला,  
“नहीं-नहीं। इस शरीर को तो  
मैं एक करोड़ रुपए मिलने पर  
भी नहीं बेचूँगा।”

अब विश्वनाथ जोर से हँस पड़े,  
“अरे भाई! जो एक करोड़ रुपए में  
भी अपने शरीर को नहीं बेच सकता,  
वह गरीब कैसे हुआ। जाओ, तुम्हारे पास  
यह **अनमोल खजाना** है, इसका उपयोग करो।”

यह सुनकर विक्रम की **आँखें खुल गईं**। उसने दूसरे दिन से  
ही आलस त्याग कर **परिश्रम** करना शुरू कर दिया। एक दिन  
उसके पास भी उसकी मेहनत से खूब सारा धन हो गया और  
वह सुख से रहने लगा। उसे अपनी सच्ची **दौलत** मिल गई थी।  
सच है, जिसके पास हाथ-पैर और आँखें हैं, स्वस्थ शरीर  
है, वह गरीब नहीं है। यह मनुष्य जीवन ईश्वर का **अमूल्य**  
उपहार है। इसका मेहनत और लगन के साथ **सदुपयोग** ही  
हमें **कल्पवृक्ष** की तरह फल देता है।



#### बोध/Conceptual Understanding

- विक्रम कितने रुपए मिलने पर भी शरीर को बेचने को तैयार नहीं था ?
- दूसरे दिन से विक्रम ने आलस त्याग कर क्या करना शुरू कर दिया ?



#### शब्दार्थ

<b>व्याकुल</b>	- बेचैन, परेशान	<b>अनमोल</b>	- कीमती
<b>खजाना</b>	- सोना, चाँदी के आभूषण और रुपए इत्यादि संचित करके रखने की जगह	<b>परिश्रम</b>	- मेहनत
<b>आँखें खुलना</b>	- सच्चाई का पता चलना	<b>कल्पवृक्ष</b>	- इच्छा को पूरा करने वाला पेड़
<b>दौलत</b>	- धन-संपत्ति	<b>सदुपयोग</b>	- किसी चीज़ का उचित इस्तेमाल
<b>अमूल्य</b>	- बहुमूल्य; मूल्यवान; बेशकीमती		



## जीवन मूल्य

सफलता पाने का कोई छोटा रास्ता नहीं होता, सफलता निरंतर परिश्रम से ही प्राप्त होती है।



## अभ्यास (Practice)

( श्रवण, वाचन, पठन, लेखन पर आधारित )

(Based on Listening, Speaking, Reading, Writing Skills)



### मेरे मुख से

(Listening and Speaking skill/श्रवण एवं वाचन कौशल)

श्रुतलेख/उच्चारण अभ्यास

(Oral Expressions/मौखिक अभिव्यक्ति)

निम्नलिखित शब्दों का सही उच्चारण कीजिए और उन्हें ध्यान से सुनकर सही-सही लिखिए—

सौदागर, सज्जन, परिश्रम, सदुपयोग, स्वस्थ, प्रणाम, परेशान, गरीब

निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए—

1. विक्रम अपने मित्रों से क्या पूछ रहा था ?
2. क्या मित्रों से विक्रम को कोई सहायता मिली ?
3. किसान ने विक्रम को क्या सलाह दी ?
4. विश्वनाथ ने विक्रम को कहाँ जाने को कहा ?



### मेरी कलम से

(Writing and Reading skill/लेखन एवं पठन कौशल)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम दो वाक्यों में लिखिए। (Written Expressions/लेखन अभिव्यक्ति)

1. विक्रम विश्वनाथ से क्या चाहता था ?
2. विश्वनाथ कैसे व्यक्ति थे ?
3. विश्वनाथ ने विक्रम को जल्दी धन कमाने के क्या-क्या उपाय बताए ?
4. विक्रम ने विश्वनाथ के सुझाव क्यों नहीं माने ?

### दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(VBQ/मूल्यपरक प्रश्न)

5. विक्रम ने जो निर्णय लिया उसका क्या परिणाम हुआ ?

दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनिए—

(MCQs/बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. खेतों के बीच से गुजरते वक्त विक्रम ने किससे बात की—

(क) देखरेख करने वाले माली से

☐

(ख) खेतों में काम करने वाले मजदूर से

☐

(ग) अन्न उत्पादक किसान से

☐

(घ) अपने मित्र से

☐

2. विश्वनाथ ने जब दोनों हाथ बेचने की बात कही तो विक्रम ने कहा—

(क) मैं कपड़े कैसे पहनूँगा

(ख) मैं खेत में हल कैसे चलाऊँगा

(ग) मैं खाना कैसे खाऊँगा

(घ) अपने हाथों के बिना मैं काम कैसे करूँगा



### भाषा के रंग

(Language skill/भाषायी कौशल)

**वचन बदलो—** संज्ञा के जिस रूप से किसी व्यक्ति वस्तु स्थान के एक या एक से अधिक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं। जैसे - लड़का दौड़ता है। लड़के दौड़ते हैं।

1. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए, एक उदाहरण आपके लिए किया गया है—

नदी ..... नदियाँ .....

बेटा .....

फसल .....

कथा .....

प्याला .....

श्रोता .....

शाखा .....

भाई .....

2. दिए गए शब्दों के लिंग बदलिए, एक उदाहरण आपके लिए किया गया है—

छात्र ..... छात्रा .....

लोटा .....

शिष्य .....

वर .....

नर .....

श्रीमान .....

दास .....

युवक .....

3. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए, एक उदाहरण आपके लिए किया गया है—

दूषित ..... अशुद्ध .....

दंगा .....

गरीब .....

निर्जन .....

आदेश .....

होंठ .....

संकेत .....

नियति .....

4. दिए गए उपसर्गों से तीन-तीन शब्द बनाएँ, ध्यान रहे उपसर्ग अर्थवान शब्दों में लगता है। एक उदाहरण आपके लिए किया गया है—

अति — (आधिक्य)

अतिशय .....

अतिरेक .....

प्रति — (उलट)

.....

.....

परा — (उलट)

.....

.....

वि — (विशेष)

.....

.....

बे — (बिना)

.....

.....



5. मुहावरों का प्रयोग भाषा को सुंदर, प्रभावशाली, संक्षिप्त व सरल बनाने के लिए किया जाता है। दिए गए मुहावरे पढ़िए और उनका अर्थ समझिए। उसके बाद उनका प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए—

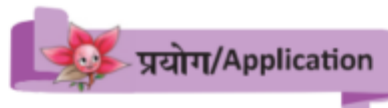
(क) अँगूठा दिखाना - वक्त पर धोखा देना

(ख) अँधा होना - विवेक भ्रष्ट हो जाना

(ग) आस्तीन का साँप - कपटी मित्र

(घ) खाक छानना - भटकना

(ङ) छक्के छूटना - बुरी तरह पराजित होना



### कुछ करके सीखें

(Let us do and learn)

1. आपने अक्सर 'अनुलोम-विलोम' नामक साँस संबंधी व्यायाम का नाम सुना होगा जो हमारे लिए बहुत फ़ायदेमंद है। इस व्यायाम के फ़ायदे पता करके, इसको करने का तरीका सीखकर अपने साथियों को भी सिखाओ।
2. जिस तरह विक्रम ने आलस त्याग कर परिश्रम करना शुरू कर दिया और सुख से रहने लगा। ऐसे कितने ही लोग आपके आसपास होंगे जो आलस करके बैठे रहते हैं और धन कमाने का सरल उपाय ढूँढ़ते हैं। अपने बड़ों से ऐसे लोगों के बारे में जानने का प्रयास करें। आपको यह जानकारी प्राप्त करके क्या सीख मिली? अपने अनुभवों को लिखो।



### खोजबीन/खोज कर जानें

अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कौन से प्रारंभिक व्यायाम होते हैं, उनके बारे में अपने परिवार के सदस्यों से जानें। आप तथा आपके परिवार के सदस्य सुबह उनमें से कौन-सा व्यायाम करना चाहेंगे, उनके बारे में तीन-चार पंक्तियों में लिखो। प्राप्त जानकारी को कक्षा में अपने सहपाठियों के साथ बाँटो।



## दिमाग के घोड़े दौड़ाओ

1. दिए गए चित्रों के बारे में तीन-तीन वाक्य लिखिए—



2. विश्वनाथ ने विक्रम को जितने पैसों का लालच दिया था वो अंकों में लिखा है, आप शब्दों में लिखिए—

150000 .....

20000 .....

250000 .....

100000 .....



## खुद की परख

Self assessment (Emotional Development)

1. अगर आपको अचानक कहीं से बहुत सारे पैसे मिल जाएँ तो आप क्या करेंगे ?
2. आप स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए कौन-सा खेल खेलना चाहेंगे और क्यों ? तीन से चार वाक्यों में लिखिए। अपने परिवार वालों को भी बताइए।



## भारत के रोचक तथ्य

(Knowledge of India)

1988 में जन्मी अरुणिमा सिन्हा पहली भारतीय हैं, जिन्होंने एक पैर न होते हुए भी दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट पर 21 मई, 2013 को विजय प्राप्त की। अरुणिमा 12 अप्रैल, 2011 को ट्रेन द्वारा लखनऊ से देहरादून जा रही थी, जब कुछ अपराधियों ने उनका बैग और चेन छीनने की कोशिश में उन्हें चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया। इस दुर्घटना में उन्होंने अपना एक पैर गँवा दिया, पर हिम्मत नहीं हारी। ट्रेन दुर्घटना से पूर्व उन्होंने कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य की वॉलीबॉल और फुटबॉल टीमों में प्रतिनिधित्व किया है।

